कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (44) खण्ड - {87}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.........

प्रश्न 1- देह-अभिमान में आने से ही माया की चमाट लगती है, देही-अभिमानी रहो तो ?

A- बाप की हर श्रीमत का पालन कर सकेंगे।

B- ब्रह्मा बाप के साथ राजधानी में आ जायेंगे।

C- मायाजीत, जगतजीत बन जायेंगे।

D- मुक्त जीवन-मुक्ति स्थिति को पा सकेंगे।

प्रश्न 2- इस समय तो सब जड़जड़ीभूत अवस्था वाले तमोप्रधान हैं, फिर भी ख़ास भारतवासियों को रजो-तमोगुणी क्यों कहा जाता है ?

A- यही सबसे ज्यादा सतोप्रधान थे।

B- यही सबसे ज्यादा तमोप्रथान थे।

C- यही सबसे ज्यादा रजोप्रधान थे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- तुम्हें बाप समान .... जरूर बनना है, ... बच्चे ही बाप के मददगार हैं,बाप उन पर ही राज़ी होता है ?

A- सर्विसएबुल

B- मुरलीधर

C- निर्मान

D- देहीभिमानी

प्रश्न 4- .... की स्थिति सदा मास्टर सर्वशक्तिमान है, जिसमें कोई भी शक्ति की कमी नहीं।

A- स्वराज्य अधिकारी

B- देही-अभिमानी

C- सच्चे फ्लैन्थ्रोफिस्ट

D- फरिश्तेपन

प्रश्न 5-जितना तुम बाप को याद करेंगे उतना तुम्हारी बुद्धि का ताला खुलेगा, जिन्हें घड़ी-घड़ी बाप की याद भूल जाती है, ऐसे बच्चों को क्या कहेंगे ?

A- अनलकी बच्चे

B- हाफ कास्ट ब्राह्मण

C- पुरुषार्थी बच्चे

D- ट्रेटर

प्रश्न 6- विजयी आत्मा बनना है तो इनमें से किस बात को अपना निज़ी संस्कार बना लो।

A- सारथी और साक्षी

B- अटेन्शन और अभ्यास

C- योगयुक्त और युक्तियुक्त

D- स्वमान और दूसरे को सम्मान

प्रश्न 7- स्वयं को क्या समझने से सर्व कर्मेन्द्रियां अपने कन्ट्रोल में रहती हैं। वह किसी भी कर्मेन्द्रिय के वश नहीं हो सकते ?

A- सारथी

B- साक्षी

C- देही

D- फरिश्ता

प्रश्न 8- तुम्हारी कमाई बहुत-बहुत बड़ी है। किससे तुम्हारी सच्ची कमाई होती है?

A- मुरली

B- सेवा

C- योग

D- ज्ञान

प्रश्न 9- शास्त्रों में भी लिखा हुआ है .... को पिछाड़ी में इन बच्चों ने ज्ञान दिया है। अन्त में यह सब समझ जायेंगे कि यह तो ठीक कहते हैं, अन्त में आयेंगे जरूर ?

A- भीष्मपितामह

B- अश्वस्थामा

C- युधिष्ठिर

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 10- बुद्धि में हर समय बाप और किसकी स्मृति हो तब कहेंगे दिल से समर्पित आत्मा ?

A- वर्से

B- सेवा

C- श्रीमत

D- ज्ञान

प्रश्न 11- यह पढ़ाई .... जैसा बनाती है। इसलिए इसे अच्छी तरह पढ़ना है और सब संग तोड़ एक बाप संग जोड़ना है ?

A- फूल

B- सोने

C- गुल - गुल

D- हीरे

प्रश्न 12- भारत जो हीरे जैसा था, पतित बनने से अभी क्या बना है ? इसे फिर पावन हीरे जैसा बनाना है, मीठे दैवी झाड़ का सैपलिंग लगाना है।

A- पत्थर जैसा

B- कौड़ी जैसा

C- कंगाल

D- गरीब

प्रश्न 13- आत्मा मैली कैसे बनती है ?

A- मित्र-सम्बन्धियों की याद से

B- ज्ञान-योग की धारणा न होने से

C- सर्विस नहीं करने से

D- विकारों के वश होने से

प्रश्न 14- पहले नम्बर का किचड़ा कौन सा है ?

A- देह-अभिमान का किचड़ा

B- लोभ का किचड़ा

C- मोह का किचड़ा

D- काम विकार का किचड़ा

प्रश्न 15- बाप का वर्सा है स्वर्ग की राजाई। इसलिए उसको क्या कहा जाता है ?

A- जीवनमुक्ति

B- सुखधाम

C- मुक्ति

D- जीवनबंध

प्रश्न 16- निम्नलिखित में कौन सा वाक्य सही नही है ?

A- डीटी गवर्मेन्ट के सिवाए और कोई एक गवर्मेन्ट होती नहीं।

B- रुद्र निराकार को कहा जाता है, कृष्ण को नहीं कहेंगे। रुद्र नाम ही है निराकार का।

C- रुद्र अलग है और सोमनाथ अलग है।

D- सारी दुनिया पतित है, उसमें भी भारत ज्यादा पतित है।

भाग (44) खण्ड {87} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- A बाप की हर श्रीमत का पालन कर सकेंगे

देह-अभिमान में आने से ही माया की चमाट लगती है, देही-अभिमानी रहो तो बाप की हर श्रीमत का पालन कर सकेंगे"

उत्तर 2- A यही सबसे ज़्यादा सतोप्रधान थे

इस समय तो सब जड़जड़ीभूत अवस्था वाले तमोप्रधान हैं फिर भी ख़ास भारतवासियों को रजो-तमोगुणी क्यों कहा जाता है? *क्योंकि यही सबसे ज्यादा सतोप्रधान

थे।* दूसरे धर्म वालों ने न तो इतना सुख देखा है, न दु:ख देखना है।

उत्तर 3- B मुरलीधर

तुम्हें बाप समान मुरलीधर जरूर बनना है, मुरलीधर बच्चे ही बाप के मददगार हैं, बाप उन पर ही राज़ी होता है

उत्तर 4- A देही-अभिमानी

जो इस समय स्वराज्य सत्ताधारी अर्थात् कर्मेन्द्रिय-जीत हैं वही विश्व की राज्य सत्ता प्राप्त करते हैं। *स्वराज्य अधिकारी ही विश्व राज्य अधिकारी बनते हैं।* तो चेक करो मन-बुद्धि और संस्कार जो आत्मा की शक्तियां हैं, आत्मा इन तीनों की मालिक है? मन आपको चलाता है या आप मन को चलाते हैं? कभी संस्कार अपनी तरफ खींच तो नहीं लेते हैं? स्वराज्य अधिकारी की स्थिति सदा मास्टर सर्वशक्तिमान है, जिसमें कोई भी शक्ति की कमी नहीं।

उत्तर 5- *A.अनलकी बच्चे*

मीठे बच्चे - जितना तुम बाप को याद करेंगे उतना तुम्हारी बुद्धि का ताला खुलेगा, *जिन्हें घड़ी-घड़ी बाप की याद भूल जाती है, वह हैं अनलकी बच्चे।* जिससे स्वर्ग का वर्सा मिलता है, ऐसे मात-पिता को भूल जाना कैसी बदकिस्मती है।

उत्तर 6- *B.अटेन्शन और अभ्यास*

रूहानी बाप समझा रहे हैं बच्चों को कि बच्चे गिरना और सम्भलना है। घड़ी-घड़ी बाप को भूलते हो अर्थात् गिरते हो। याद करते हो तो सम्भलते हो। माया बाप की याद भुलवा देती है क्योंकि नई बात है ना इसलिए *विजयी आत्मा बनना है तो अटेन्शन और अभ्यास - इसे निज़ी संस्कार बना लो।*

उत्तर 7- *A.सारथी*

इस रथ को चलाने वाली हम आत्मा सारथी हैं, यह स्मृति स्वत: इस रथ अथवा देह से वा किसी भी प्रकार के

देह-भान से न्यारा बना देती है। देह-भान नहीं तो सहज योगयुक्त बन जाते और हर कर्म भी युक्तियुक्त होता है। *स्वयं को सारथी समझने से सर्व कर्मेन्द्रियां अपने कन्ट्रोल में रहती हैं। वह किसी भी कर्मेन्द्रिय के वश नहीं हो सकते।*

उत्तर 8- *A.मुरली*

कोई को बाप का परिचय दिया, गोया जमा हुआ। परिचय नहीं देते हो तो जमा भी नहीं होता है। तुम्हारी कमाई बहुत-बहुत बड़ी है। *मुरली से तुम्हारी सच्ची कमाई होती है,* सिर्फ यह मालूम पड़ जाए कि मुरली किसकी है? यह भी तुम बच्चे जानते हो जो सांवरे बन गये हैं उन्हों को ही गोरा बनने के लिए मुरली सुननी है।

उत्तर 9- *D. A और B*

अब अगर तुमको विस्तार से ज्ञान समझना है तो धैर्यवत होकर सुनो। ब्रह्माकुमारियां तुमको समझा सकती हैं। *शास्त्रों में भी लिखा हुआ है भीष्मपितामह, अश्वस्थामा आदि को पिछाड़ी में इन बच्चों ने ज्ञान दिया है।* अन्त में यह

सब समझ जायेंगे कि यह तो ठीक कहते हैं, अन्त में आयेंगे जरूर।

उत्तर 10- *C.श्रीमत*

बुद्धि में हर समय बाप और श्रीमत की स्मृति हो तब कहेंगे दिल से समर्पित आत्मा। अगर हम बाप की श्रीमत पर चलेंगे तो बेहद के बाप का वर्सा पायेंगे। याद से ही एवरहेल्दी बनते हैं। बाप कहते हैं मुझे याद करते-करते तुम पवित्र बन जायेंगे, पाप भस्म हो जायेंगे। बाप की याद में शरीर छोड़ेंगे तो मेरे पास चले आयेंगे।

उत्तर 11- *D.हीरे*

पढ़ाई से ही मनुष्य से देवता बनना है। भगवान् पढ़ाते हैं भगवान् भगवती बनाने के लिए। वह तो पाई-पैसे की पढ़ाई है। *यह पढ़ाई हीरे जैसा बनाती है* इसलिए इसे अच्छी तरह पढ़ना है और सब संग तोड़ एक बाप संग जोड़ना है।

उत्तर 12- *C.कंगाल*

बाप कहते हैं मैं तो एक ही बार आता हूँ। गाते भी हैं पतित-पावन आओ। सारी दुनिया पतित है, उसमें भी भारत ज्यादा पतित है। भारत जो हीरे जैसा था, *पतित बनने से कंगाल बना है* , इसे फिर पावन हीरे जैसा बनाना है, मीठे दैवी झाड़ का सैपलिंग लगाना है।

उत्तर 13- *A.मित्र-सम्बन्धियों की याद से*

जब मीठे बाप के साथ पूरा योग होगा तो धारणा भी होगी। ऐसे मीठे बाबा से बहुतों का योग नहीं है। समझते ही नहीं - गृहस्थ व्यवहार में रहते बाप से पूरा योग लगाना है। माया के तूफान तो आयेंगे ही। कोई को पुराने मित्र-सम्बन्धी याद आयेंगे, कोई को क्या याद पड़ता रहेगा। तो *मित्र-सम्बन्धियों की याद से आत्मा मैली बन जाती है।*

उत्तर 14- *A.देह-अभिमान का किचड़ा*

पहले नम्बर का किचड़ा है देह-अभिमान का , फिर लोभ मोह का किचड़ा शुरू होता है, किचड़ा पड़ने से फिर घबरा जाते हैं, इसमें घबराना नहीं है। यह तो माया करेगी, किचड़ा पड़ेगा ही हमारे ऊपर। होली में किचड़ा पड़ता है ना। हम बाबा की याद में रहें तो किचड़ा नहीं रहेगा।

उत्तर 15- *A.जीवनमुक्ति*

हमारी बात तो है ही सेकेण्ड की। सेकेण्ड में बाप का वर्सा मिलता है। *बाप का वर्सा है स्वर्ग की राजाई। उनको जीवनमुक्ति कहा जाता है।* यह है जीवनबंध। समझाना चाहिए - बरोबर जब आप आयेंगे तो जरूर हमको स्वर्ग का, मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा देंगे। तब ही लिखते हैं मुक्ति-जीवनमुक्ति दाता एक है।

उत्तर 16- *C.रुद्र अलग है और सोमनाथ अलग है*

अब बाप आया है विश्व की डीटी गवर्मेन्ट फिर से स्थापन करने। हम बच्चे उनके मददगार हैं। यह राज़ गीता में है। यह है रुद्र ज्ञान यज्ञ। रुद्र निराकार को कहा जाता है,

कृष्ण को नहीं कहेंगे। रुद्र नाम ही है निराकार का। *बहुत नाम सुन मनुष्य समझते हैं रुद्र अलग है और सोमनाथ अलग है।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (44) खण्ड - {88}

प्रश्न - लक्ष्मी-नारायण को त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी नहीं कहेंगे। मनुष्य फिर श्रीकृष्ण को क्या कहते हैं ?

A- राजयोगी

B- त्रिलोकीनाथ

C- भगवान

D- देवता

प्रश्न 2- जो .... नहीं, वह धारणा नहीं कर सकते। यहाँ तो सच्चाई चाहिए। पूरा फालो करना चाहिए ?

A- पवित्र

B- योगी

C- ज्ञानी

D- सेवाधारी

प्रश्न 3- इस समय तुम अपनी दासियां बनायेंगे तो खुद भी .... बनना पड़ेगा ?

A- महाराजा

B- दासी

C- महारानी

D- प्रजा

प्रश्न 4- कहाँ भी अमेरिका आदि तरफ चले जाओ, बाप से वर्सा ले सकते हो। सिर्फ एक हफ्ता .... करके जाओ ?

A- कोर्स

B- धारणा

C- भट्टी

D- रियलाइज कोर्स

प्रश्न 5 - किसकी 100 भुजा, 1000 भुजा दिखाते हैं। यह भी समझाया जाता है, इतनी भुजायें तो हो नहीं सकती ?

A- ब्रह्मा

B- शिवबाबा

C- शंकर

D- विष्णु

प्रश्न 6- इस पाठशाला में आने से तुम्हें किसकी प्राप्ति होती है, एक- एक ज्ञान रत्न लाखों की मिलकियत है, जो बाप देते हैं ?

A- अमरफल

B- प्रत्यक्षफल

C- बेशुमार धन

D- ज्ञानरत्न

प्रश्न 7- इनमें से किसके महत्त्व को जान लो तो सर्व खजानों से सम्पन्न बन जायेंगे ?

A- योग

B- ज्ञान

C- धारणा

D- समय

प्रश्न 8- मैं आता ही तब हूँ जब स्वर्ग बनाना है। तुम अब फरिश्ते बन रहे हो। बाबा किसका साक्षात्कर कराते हैं ?

A- सूक्ष्म वतन

B- स्वर्ग

C- सजाओं

D- प्योरिटी

प्रश्न 9- कभी अगर कोई भूल हो जाती है तो ....

A- प्रायश्चित करो।

B- धर्मराज की सजा खाने के लिए तैयार हो जाओ।

C- उसके बदले में खूब सर्विस करो।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- जो भी देखे, जो भी संबंध में आये, वह आपको देखकर आपको भूल जाये, लेकिन आप में बाप दिखाई दे तब ही कौन सी स्थिति बनेगी ?

A- कर्मातीत अवस्था बनेगी।

B- समय की समाप्ति होगी।

C- जीवनमुक्त बनेंगे।

D- फरिश्ता स्थिति बनेगी ।

प्रश्न 11- इस फाइनल पढ़ाई में हर एक बच्चे को कौन से सर्टीफिकेट लेने हैं ?

A- स्वयं से

B- बाप से

C- परिवार से

D- उपरोक्त सभी से

प्रश्न 12- सतगुरू का सहज वशीकरण मंत्र तुम्हें मिला हुआ है कि चुप रहकर .... याद करो, यही माया को अधीन करने का महामंत्र है ?

A- मनमनाभव

B- मामेकम्

C- मध्याजीभव

D- ततत्वम्

प्रश्न 13-तुम सबको कौन सा मंत्र देने वाले सतगुरू के बच्चे हो ? तुम ईश्वर के बारे में कभी भी झूठ नहीं बोल सकते।

A- जीवनमुक्ति

B- मनमनाभव

C- मामेकम्

D- मध्याजीभव

प्रश्न 14- सभी को सेकेण्ड में मुक्ति -जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए यही महामंत्र सुनाना है कि -

A- "देह सहित देह के सब सम्बन्धों को त्याग बाप को याद करो।"

B- "इस अन्तिम जन्म पवित्रता की प्रतिज्ञा करो।"

C- "अशरीरीपन का अभ्यास कर मामेकम याद करो।"

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- ज्ञान सूर्य बाप के साथ......... वह हैं जो जग से अंधकार को मिटाने वाले हैं, अंधकार में आने वाले नहीं।

A- ज्ञान चन्द्रमा

B- लकी सितारे

C- मास्टर ज्ञान सूर्य

D- ज्ञान सितारे

प्रश्न 16- सर्वशक्तिमान बाप के बनते हो तो माया भी क्या करती है ?

A- हार खा लेती है।

B- वार करती है।

C- सर्वशक्तिमान होकर लड़ती है।

D- जोर से घूंसा मारती है।

भाग (44) खण्ड {88} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B त्रिलोकीनाथ*

अभी तुम समझाते हो गीता का भगवान् शिव है, न कि दैवी गुणों वाला देवता श्रीकृष्ण। श्रीकृष्ण की आत्मा अभी ज्ञान ले रही है। मनुष्य फिर समझते हैं ज्ञान दे रही है। *मनुष्य फिर श्रीकृष्ण को त्रिलोकीनाथ कह देते हैं*

उत्तर 2- *B.योगी*

बाप समझाते हैं - बच्चे, देही-अभिमानी बनो। बहुत अच्छे बच्चे भी देह-अभिमानी हैं क्योंकि बाबा को याद नहीं करते। *जो योगी नहीं, वह धारणा नहीं कर सकते।* यहाँ तो सच्चाई चाहिए। पूरा फालो करना चाहिए। जो सुनते हो वह धारण कर समझाते रहो।

उत्तर 3- *B.दासी*

तुम बच्चे इस समय स्टूडेन्ट हो, *इस समय तुम अपनी दासियां बनायेंगे तो खुद भी दासी बनना पड़ेगा।* यहाँ महारानी बनना देह-अभिमान है। सच कहना चाहिए कि बाबा

यह भूल हुई। अभी सम्पूर्ण तो सभी बने नहीं हैं। इम्तहान में जब नापास होते हैं तो शर्माते भी हैं।

उत्तर 4- *B.धारणा*

कल्प-कल्प के लिए यह पढ़ाई है। इसमें बहुत ध्यान देना पड़ता है। इसको वर्ल्ड युनिवर्सिटी कहा जाता है। तो *कहाँ भी अमेरिका आदि तरफ चले जाओ, बाप से वर्सा ले सकते हो। सिर्फ एक हफ्ता धारणा करके जाओ।* भगवान् के बच्चे हैं तो भाई-बहन ठहरे ना।

उत्तर 5- A ब्रह्मा

जो महारथी बच्चे हैं, वह अच्छी रीति समझा सकेंगे। कितने ढेर ब्रह्माकुमार-कुमारियां हैं। *प्रजापिता ब्रह्मा नाम भी मशहूर है। प्रजापिता ब्रह्मा के यह हैं मुख वंशावली। ब्रह्मा को ही 100 भुजा, 1000 भुजा दिखाते हैं।* यह भी समझाया जाता है इतनी भुजायें तो हो नहीं सकती। बाकी ब्रहमा तो बहुत बचड़े वाला है।

उत्तर 6- B प्रत्यक्षफल

इस पाठशाला में आने से तुम्हें प्रत्यक्षफल की प्राप्ति होती है, एक-एक ज्ञान रत्न लाखों की मिलकियत है, जो बाप देते हैं''

उत्तर 7- D समय

समय के महत्व को जान लो तो सर्व खजानों से सम्पन्न बन जायेंगे।

उत्तर 8- D प्योरिटी

बाबा कहते यह तो आनादि बना-बनाया ड्रामा है। मेरी भी यह ड्युटी है। मैं कल्प-कल्प आकर तुम बच्चों को माया से लिबरेट कर ब्राह्मण बनाए सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का राज़ सुनाता हूँ। *मैं आता ही तब हूँ जब स्वर्ग बनाना है। तुम अब फरिश्ते बन रहे हो। प्योरिटी का भी साक्षात्कर कराते हैं।* तुमको नष्टोमोहा भी बनना है।

उत्तर 9- C उसके बदले में खूब सर्विस करो

कभी अगर कोई भूल हो जाती है तो उसके बदले में खूब सर्विस करो। नहीं तो वह भूल दिल को खाती रहेगी। बाप को ज्ञानी और योगी बच्चे ही बहुत प्यारे लगते हैं।

उत्तर 10- B समय की समाप्ति होगी

बाप यही चाहते हैं कि मेरा हर एक बच्चा अपनी मूर्त से बाप की सीरत दिखायें। सूरत भिन्न-भिन्न हो लेकिन सबकी सूरत से बाप की सीरत दिखाई दे। *जो भी देखे, जो भी संबंध में आये - वह आपको देखकर आपको भूल जाये, लेकिन आप में बाप दिखाई दे तब ही समय की समाप्ति होगी।* सबके दिल से यह आवाज निकले हमारा बाप आ गया है, मेरा बाप है।

उत्तर 11- D उपरोक्त सभी

बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि इस फाइनल पढ़ाई में हर एक बच्चे को तीन सर्टीफिकेट लेने हैं - एक स्वयं, स्वयं से सन्तुष्ट - यह सर्टीफिकेट और दूसरा बापदादा द्वारा सर्टीफिकेट और तीसरा परिवार के संबंध-सम्पर्क में आने वालों द्वारा सर्टीफिकेट। यह तीन सर्टीफिकेट जब मिलें तब समझो पढ़ाई पूरी हुई। ऐसे नहीं समझना कि बापदादा तो हमारे से सन्तुष्ट हैं। लेकिन तीनों ही सर्टीफिकेट चाहिए, एक नहीं चलेगा।

उत्तर 12- B मामेकम्

सतगुरू का सहज वशीकरण मंत्र तुम्हें मिला हुआ है कि चुप रहकर मामेकम् याद करो, यही माया को अधीन करने का महामंत्र है

उत्तर 13- A जीवनमुक्ति

तुम सबको जीवनमुक्ति का मंत्र देने वाले सतगुरू के बच्चे गुरू हो, तुम ईश्वर के बारे में कभी भी झूठ नहीं बोल सकते"

उत्तर 14- A देह सहित देह के सब संबंधों को त्याग बाप को याद करो

सभी को सेकेण्ड में मुक्ति-जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए *यही महामंत्र सुनाना है कि “देह सहित देह के सब सम्बन्धों को त्याग बाप को याद करो।"*

उत्तर 15- B लकी सितारे

ज्ञान सूर्य बाप के साथ लकी सितारे वह हैं जो जग से अंधकार को मिटाने वाले हैं, अंधकार में आने वाले नहीं।

उत्तर 16- C सर्वशक्तिमान हो कर लड़ती है

यहाँ बाप से माया घड़ी-घड़ी मुंह फेर देती है। *सर्वशक्तिमान बाप के बनते हो तो माया भी सर्वशक्तिमान होकर लड़ती है।* पांच विकारों पर जीत पाने की युद्ध है। युद्ध तो मशहूर है।